पाठ 11. मांडले जेल से

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के कारावास में बिताए दिनों एवं वहाँ उन्हें दी जाने वाली यातनाओं के बारे में जानकारी देना है। यह पत्र सुभाषचंद्र बोस ने लिखा है, उन्हें भी उसी कारावास में रखा गया था जहाँ तिलक जी रह चुके थे। इस पाठ द्वारा बच्चे प्रेरणा ले पाएँगे तथा यह समझ पाएँगे कि कठिनाइयों का सामना हिम्मत के बल पर ही किया जाता है।

पाठ का सारांश

इस पत्र में सुभाषचंद्र बोस लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के बारे में वर्णन कर रहे हैं। सुभाषचंद्र बोस को मांडले जेल में स्थानांतरित किया गया है, जहाँ लोकमान्य तिलक ने अपने कारावास का अधिकांश समय गुज़ारा था। लोकमान्य तिलक को बहुत यातनाएँ सहन करनी पड़ी थीं। उन तक कोई भी अखबार नहीं पहुँचने दिया जाता था। शायद लोकमान्य तिलक को अदम्य इच्छाशक्ति का वरदान मिला था। उन्होंने इतनी यातनाएँ सहने पर भी अपना मानसिक संतुलन बनाए रखा। लोकमान्य तिलक ने जेल में रहकर ही 'गीता रहस्य' जैसे युग-निर्माणकारी ग्रंथ की रचना की थी। मधुमेह से पीड़ित होने के बाद भी लोकमान्य तिलक ने अपनी संघर्ष-शक्ति को कम नहीं होने दिया। सुभाषचंद्र बोस ने देश के महानतम पुरुषों को खोते रहने पर दुख व्यक्त किया है।

अध्यापन संकेत

पत्र-वाचन करें। बच्चों को बाल गंगाधर तिलक एवं सुभाषचंद्र बोस के बारे में जानकारी दें। बच्चों को बताएँ कि इन दो महान विभूतियों ने देश में जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रसिद्ध नारे दिए थे। बच्चों से उन नारों के बारे में पूछें। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताते जाएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- ❖ स्वाधीनता संग्राम के समय की कुछ प्रसिद्ध जेलें जहाँ स्वतंत्रता सेनानियों को रखा जाता था, जैसे – मांडले जेल, यरवदा जेल, नैनी जेल, सेल्युलर जेल (कालापानी) आदि के बारे में तुम क्या जानते हो?
- ❖ वर्तमान में जेलों में कैदियों को रोज़गारपरक काम सिखाए तथा करवाए जाते हैं। क्या यह वास्तव में कारगर है?
- ❖ प्रत्येक व्यक्ति अपनी-अपनी तरह से देशभक्ति या देश-प्रेम प्रकट करता है। तुम देश के प्रति प्रेम कैसे प्रकट करते हो?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।